डमरूवाला | By Payal Agrawal

बोलो जी बोलो बम बम भोलेनाथ
बोलो जी बोलो काशी विश्वनाथ

मस्तक चंदा जटा में गंगा ॐ नमः शिवाय शिवाय
मस्तक चंदा जटा में गंगा और त्रिपुण्ड निराला है
औघड़ का ये भेष बनाये ऐसा डमरूवाला है

है रूप बड़ा ही प्यारा मेरे भोले भंडारी का
कोई पार नहीं है पाया इसकी इस महिमा न्यारी का
और तीसरे नेत्र में इनके ॐ नमः शिवाय शिवाय
और तीसरे नेत्र में इनके महाप्रलय की जवाला है
औघड़ का ये भेष बनाये ऐसा डमरूवाला है

ये हरिद्वार की गंगा शिव जी की जटा से आई है
जिससे तरते नर नारी यहाँ महिमा ऐसी पाई है
और त्रिशूल पे अपने काशी ॐ नमः शिवाय शिवाय
और त्रिशूल पे अपने काशी यही बसाने वाला है
औघड़ का ये भेष बनाये ऐसा डमरूवाला है

ये बैठा धीरज धारे शमशान में अलख जगाता है
ऐसा है औघड़ दानी तन चिता की भस्म लगाता है
बंद किस्मत के खोले ताले ॐ नमः शिवाय शिवाय
बंद किस्मत के खोले ताले ऐसा भोला भाला है
औघड़ का ये भेष बनाये ऐसा डमरूवाला है
कानो में वृक्षु के बाले गले नाग ये काला है
औघड़ का ये भेष बनाये ऐसा डमरूवाला है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a1%e0%a4%ae%e0%a4%b0%e0%a5%82%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%be-by-payal-agrawal/